3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रखने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

चुटकुले

एक आदमी ने एक मेले में चार गधे खरीदे व एक गधे पर सवार होकर घर की ओर चला। वह बार-बार अपने खरीदे हुए गधे को गिनता तो तीन ही पाता वह जिस पर बैठा हुआ था उसे गिनना भूल जाता भूल गया।

घर पहुँचकर उसने अपनी पत्नी से गधों की गिनती करने को कहा। पत्नी कुछ देर तक उसे घूरती रही फिर बोली - 'कमला है! मुझे तो पाँच गधे दिखाई दे रहे हैं। और आप कह रहे हैं चार।

एक चूहा व एक बिल्ली एक रेस्टोरेन्ट में पहुंचे व लंच की टेबल पर बैठे। चूहे ने वेटर से कहा- 'जाओ मेरे लिए पिज्जा लेकर आओ।'

वेटर ने बिल्ली की ओर इशारा करके कहा - 'मेडम के लिए?'

'इन्हे भूख नहीं है' - चूहा बोला।

'आपको कैसे पता सर? - वेटर बोला।

'अगर इन्हें भूख लगी, तो क्या मैं यहां बैठा होता- 'चूहे ने कहा।'

एक आदमी ने देखा कुछ लोग भाग रहे थे। उसने भागते हुए किसी आदमी से पूछा - 'आप क्यों भाग रहे हैं? चिड़ियाघर से एक शेर भाग गया है। एक व्यक्ति चिल्लाकार बोला।

'किस दिशा में?'

'खुद नहीं सोच सकता? क्या हम शेर के पीछे भाग रहे हैं?

हाथियों का बंटवारा

उत्तर - बड़े भाई को ९, बीचवाले को ६ तथा छोटे को २

विधि - महंत ने राजा के १७ हाथियों में अपना हाथी भी उधार देकर मिला दिया। इस प्रकार कुल हाथी हो गए १८।

बड़े भाई को राजा की इच्छानुसार आधे अर्थात् १८ के आधे ९ हाथी दे दिए, मझले को तीसरा हिस्सा अर्थात् १८ का तिहाई ६ हाथी और सबसे छोटे को शर्त के अनुसार नौवाँ हिस्सा अर्थात् २ हाथी मिले। सब मिलाकर १७ हाथी बाँट गए।

महंत जी बँटवारे में बचा अपना हाथी लेकर मंदिर लौट गए।